मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2904
12.03.2021 को उत्तर के लिए

पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाना

2904. श्री अजय कुमार मंडल :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने लोगों को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए उन्हें शिक्षित करने और उनमें जागरूकता फैलाने हेतु कोई रूपरेखा बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) यह मंत्रालय, अन्य बातों के साथ-साथ, छात्रों के बीच पर्यावरणीय संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें पर्यावरण संरक्षण-उन्मुख जीवनशैलियों की दिशा में संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से 'पर्यावरण शिक्षा, जागरूकता और प्रशिक्षण (ईईएटी)' स्कीम कार्यान्वित कर रहा है। इस स्कीम के अंतर्गत प्रमुख कार्यक्रम, राष्ट्रीय हरित कोर (एनजीसी) ''पारि-क्लब'' कार्यक्रम है जिसके तहत पौधरोपण अभियानों, स्वच्छता अभियानों, महत्वपूर्ण पर्यावरणीय दिवसों को मनाने, अपशिष्ट पृथक्करण के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जागरूकता और क्षमता निर्माण करने, स्कूलों को एकल उपयोग के प्लास्टिक से मुक्त घोषित करने संबंधी कार्य योजना, हरित दिवाली मनाने आदि जैसे विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से पर्यावरणीय मुद्दों के संबंध में छात्रों को शिक्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में पारि-क्लब स्थापित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के तहत, समाज के सभी स्तरों में व्यापक पर्यावरणीय जागरूकता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में ग्रीन गुड डीड (जीजीडी) अभियान नामक एक सामाजिक आंदोलन भी शुरू किया गया था। हरित कार्य (ग्रीन डीड), सरल और व्यावहारिक कदम होते हैं जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के क्रम में अपने दैनिक जीवन में निष्पादित कर सकता है। ऐसे हरित कार्यों का एक संकलन, 'संधारणीय पर्यावरण हेतु हरित कार्य और आदतें' शीर्षक से प्रकाशित भी किया गया है।

****